आखर हिंदी पत्रिका

An International Peer Reviewed Referred Online E-Journal

E- ISSN - 2583-0597; खंड: 6 अंक: 2 जून 2026

अनुक्रमणिका

संपादकीय — प्रो. प्रतिभा मुदलियार — 179-181

शोधालेख

- दलित विमर्श की विरासत और गजानन माधव मुक्तिबोध — डॉ. राजीव कुमार — 182-186
- वर्त्तमान समय में साहित्य द्वारा, स्त्री उत्थान क्यों और कैसे ? — डॉ . रंजना पाटिल — 187-191
- भ्रमरगीत-काव्य परंपरा में ज्ञान और भक्ति — संदीप कुमार, डॉ.आशुतोष कुमार — 192-199
- वैश्वीकरण के दौर में राष्ट्रीय अस्मिता और हिन्दी साहित्य — अवधेश कुमार मौर्य, डॉ. रश्मि सूद — 200-204
- सुशीला टाकभौरे के नाटकों में शिक्षा, संघर्ष और सामाजिक चेतना — मेघा, डॉ. सरिता रावत — 205-211
- पंकज मित्र की कहानियों में व्यक्त आदिवासी संवेदना का यथार्थ — श्वेता कुमारी — 212-220
- जया जादवानी के कथा साहित्य में सामाजिक चेतना — मनीषा कुमारी, डॉ.आशुतोष कुमार — 221-228
- आदिवासी कवयित्रियों की कविताओं में मानवीय संवेदना — प्रतिभा प्रसाद — 229-234
- अमृत लाल नागर के उपन्यासों में भारतीय समाज — डॉ. रेशमा एम एल — 235-241

- भ्रमरगीत परंपरा में सूरदास के भ्रमरगीत का स्थान डॉ. दीपा देशपांडे 242-251
- राग दरबारी : भारतीय लोकतंत्र पर एक तीखा व्यंग्य डॉ. सुप्रिया सिंह 252-258
- महानगरीय मध्यवर्गीय जीवन-संघर्ष का दस्तावेज़ : 'आधे-अधूरे' डॉ.दीपा कुमारी 259-264
- हिन्दी साहित्य और आदिलाबाद की जनजातीय सांस्कृतिक विरासत: पारिवारिक रीति-रिवाजों का समाजशास्त्रीय अध्ययन गोविंद वि जाधव 264-276
- "इक्कीसवीं सदी हिंदी उपन्यासों में आदिवासी जनसुनवाई और महिला की स्थिति गति" डॉ. सी. एन होंबाली, श्रीमती. मंजुला. एन होंबाली 277-283
- वीरेंद्र जैन द्वारा लिखित 'पार' आदिवासी उपन्यास में निहित रागात्मक संवेदना रामकृष्ण के. एस, प्रो. सुमा टी. आर 284-290

लेख

- "शिक्षक, शिक्षा और संस्कार: आत्ममंथन की आवश्यकता" सोनिया संदलस 291-292
- अक्षरों की दुनिया का अनावरण और युवाओं के नाम संदेश डॉ.पूर्णिमा उमेश 293-295

पुस्तक समीक्षा

- डॉ. के.वी उमाशंकर (शव) जी का कुरुक्षेत्र डॉ. नजीरौनिसा 296-302

कविता

- गैरज़रूरी बातें प्रो.प्रतिभा मुदलियार 296-298

****

This work is licensed under CC BY-NC 4.0